भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

12.05.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2152

कुडनकुलम परमाणु संयंत्र से विद्युत उत्पादन

2152. **श्री के.के. रागेश:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या कुडनकुलम परमाणु संयंत्र अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य कर रहा है;**

(ख) **पिछले दो महीनों के दौरान संयंत्र में प्रतिदिन औसतन कितने विद्युत का उत्पादन हुआ है; और**

(ग) **क्या उक्त संयंत्र के किन्हीं और रिएक्टरों को शीघ्र आरंभ किए जाने की संभावना है, और यदि हाँ, तो इसके लिए क्या समय-सीमा तय की गई है तथा उक्त संयंत्र की क्षमता क्या होगी?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) **जी, हाँ। कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी-1) के यूनिट-1 ने जून, 2014 में पहली बार 1000 मेगावाट की पूर्ण क्षमता हासिल की। वर्तमान में यह यूनिट, अपनी करीब पूर्ण क्षमता पर काम कर रहा है।**

(ख) **पिछले दो महीनों के दौरान, कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट-1 का औसत विद्युत उत्पादन लगभग 22 मिलियन यूनिट प्रति दिन था।**

(ग) **जी, हाँ। कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना का दूसरा यूनिट (1000 मेगावाट), कमीशनन की प्रगत अवस्था में है। रिएक्टर के प्रथम क्रांतिकता (नाभिकीय श्रृंखला अभिक्रिया का आरंभ होना) स्टार्ट अप चालू वर्ष 2016-17 की प्रथम तिमाही में होने की आशा है। क्रांतिकता के बाद रिएक्टर को ग्रिड से जोड़ा जाएगा, और यह रिएक्टर, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) से चरण-वार अनुमतियों का अनुसरण करते हुए वाणिज्यिक रूप से उत्पादन शुरू करेगा।**

******